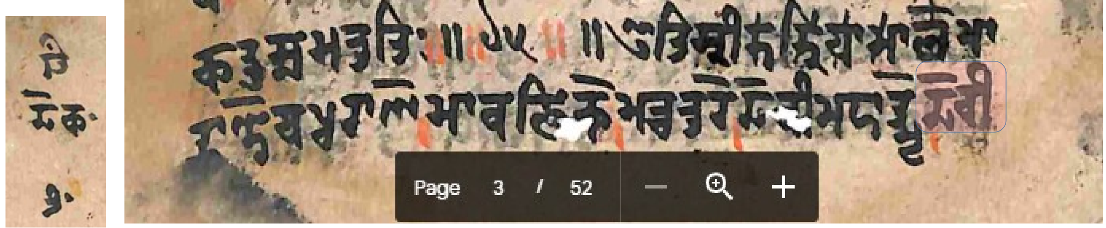
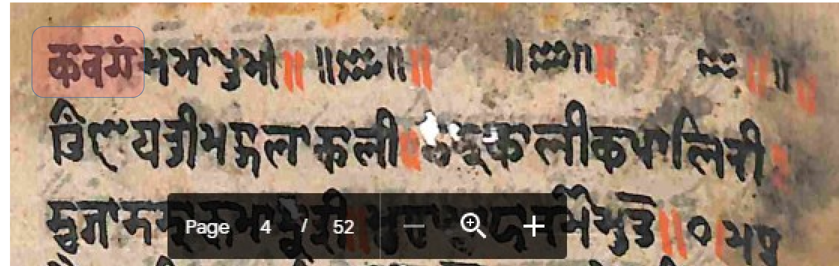
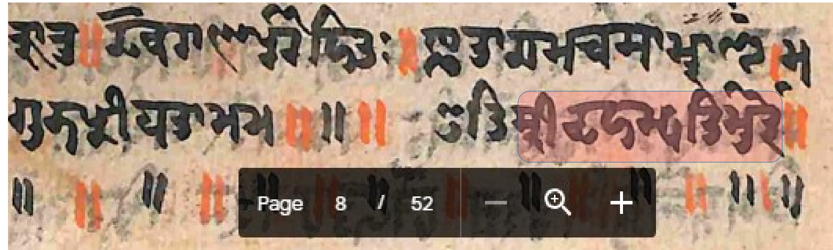
kupwara 19.pdf **This Stotra Manuscript includes**
Shri Devi Kavacham (from Rudrayamala)

Shri Devi Kavacham (from Rudrayamala)

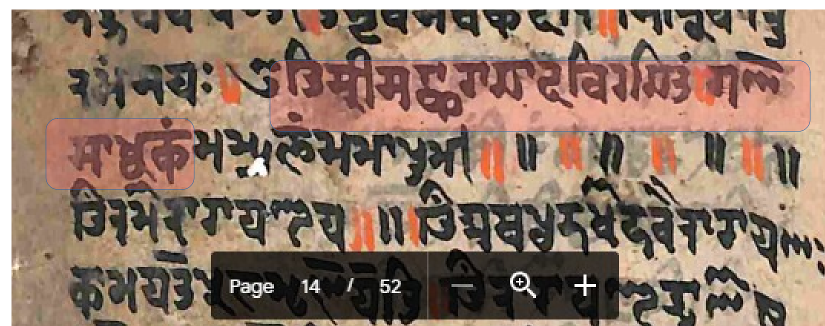




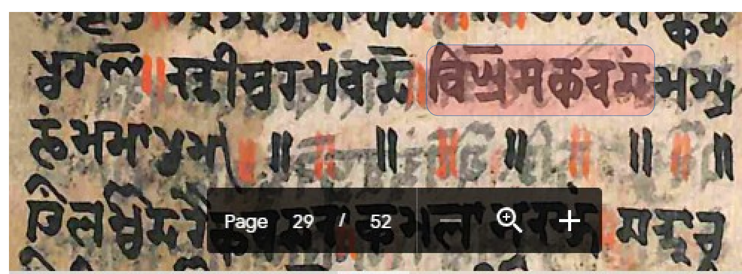
Shri Brihaspati Stotram



Shri Ganeshastakam (by Shri Shankaracharya)



Shri Vignesha Kavacham



[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

स्मल्पद्भस्क[illegible]ला। कवमकमंमवे। १पेद्भुम

ीमश्री। कुइकवस्मा[illegible]ठेउः॥ १क। विविप्राम्१

पद्भिद्भिः। म श्री१पमभ्मद्भवः॥ वव म्भ्मद्भलमै

व। ममैलववकववमो॥ ड[illegible]त्रिम्भुत्रिमिम्मिद्भं। १म

कुद्भमउत्रिः॥॥ १५ ॥ ॥ ॐत्रिश्रीकद्भियमल्लेम

द्भलवमरालि। मावहिके। मवउरे। मिली मदवूमिवी

कवंमभमप्रुभो ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

त्रिं९ यत्रीमफ्लफली ॥ [illegible]फलीकपालिनी ॥

स्वृगमन्द्रभमुद्री ॥ भ[illegible]ादवर्मैमुत्ते ॥ ० ॥ मप्त

वि कैएठविद्व ॥ वि[illegible]वर्द्दैनमः ॥ क्रूंपद्वैदि९ वं

मज [illegible]दि ॥ यमैद्वैदिद्विवि[illegible]दि ४ ॥ भदिधाभृगमित्र

१३ म ॥ विणाद्र[illegible]वर्द्दैनमः ॥ [illegible]द्वैदि ॥ ३ ॥ [illegible]

द्वि
सं
५७

ब्रुत भमत्रां ॥ उभमदूयत्रभेकपञ्चिते ॥ कयत्रीग

गा[illegible]मदभत्रीः ॥ यवानस्त्रभ ॥ मड्डिपदेगत्रुधाः ॥

विद्यंपधुं ॥ गभयम्भ्रिद्रनाउगमा ॥ यत्रुमदमिव

उत ॥ स्त्रिवविस्रुदठेखली ॥ मिवामदत्रमृठेखली ॥

उयावेभडलीवत्र ॥ ॥ ॥ पविवेमदमृदमि

[illegible]क ॥ पसिदूयवहद्रमत्रेगपथे ॥ पवभ्रिगमथ्य

म्प्रयम ॥ नभश्रिसिद्धिग्मम्पिलक्षेम ॥ नमेक्रिधुउ
म्पगुरुभा॰यम ॥ नमस्तुपिमायम विलिपिमायम ॥
त्रिनमैवाक्लिं त्रिकीई ॥ ट्व वांफर्ट यहे ॥ त्रिनमैविमि
श्री· त्रिकेई ॥ नैविकी॰केई ॥ नमश्रिसिद्धडेई ॥ हु ॥
पेम्रह्रुभमध्यउी ॥ ट्कि द्रेलललेदिउः ॥ स्वांधएन
मेवंधुफथा॰मेधं॰धम्कवाभा ॥ भाऊदगाम्रन ॥ कि

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नमः॥ गुरोर्द्धिनीव्रयेहमु॥ पीउवमूर्वलिपमौ॥ ॥ प्रम
णीपिपजगत्र॥ विमर्हि॰स्त्रवकम॥ पीडमातिंक
रैदेव॥ मूयंमैवेढजम्पति:॥३॥ ॥ मैदेम्र त्रिभमा
रुउ॥ मेवा॰श्रीहिउ:॥ स्तउमभवमाभू॰॥ म
गुजश्रीयउभय॥ ॥ ॥ उति श्री ढजमउभेर॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

शि
टिक.
११

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

मवंसदिज्ञायवै ॥१४॥ मदरलेमदेब्रुदे ॥ मदक
यविर सिवि ॥ शजिभंमेविडुधृके ॥ मक्रुंरुय
ववित ॥१५॥ र्सूरकाउभामेक्री ॥ डग्रेया मग्रि
मवत ॥ रुक्रि--सूंसवगदी ॥ मैटंपड्डणवि
ली ॥१६॥ उसीसूगैवकेभागी ॥ हैमाटूमूलणवि
ली ॥ कवंरकाउवड्र ली ॥ ह्रणमडै [illegible] ॥१७॥

वि
रुप
८७

ष्यमसीशायम ॥ नमऊर्ध्वायमबभद्र गायम ॥ नभैरवाय
मस्रुपायम ॥ नभैईशायम ॥ कविभूयम ॥ नमप्रवरय
माधवएयम ॥ नभैभद्रनाथयम ॥ पगलूयम ॥ नभैरकु
यमु मद्रयम ॥ नभैईयम ॥ भत्रिमुरायम ॥ नमभु
सुभैरव [illegible] यम ॥ ॥ ॥ त्रिनभैगिलियम ॥
कविविनम ॥ नमवा [illegible] विनम ॥ नमस्कुरयम

पशुपतयेम ॥ [illegible] नीलग्रीवाय यम शितिकण्ठाय यम ॥ नमो हृ
उकेशाय यम ॥ कपर्दिनेम ॥ नमः सहस्राक्षाय यम शत
धन्वनेम ॥ ॥ ॥ गिरिशाय यम शिपिविष्टाय यम ॥
नमो मीढुष्टमाय यमो ह्वेषुमतेम ॥ नमो ह्रस्वाय यम वा[illegible] ॥
[illegible] बृहते वर्षीयसेम ॥ नमो वृ[illegible] ॥ नम
[illegible]य यम स्वर्वभाय यम ॥ नमो[illegible] [illegible]ग्याय यम ॥ नमः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ਰਸਾ ਕਿਣੁ ਕਿਸਗੀ ਗੀਰ [illegible] ॥ ਪੰਸਨ੍ਹੂ [illegible] ਭੁਕ ਕਿਪ
ਤਕੁ ਸਦ ਪਾਤ ਕੜ [illegible] ਪਾਤਰ [illegible] ਸੰਸਸ੍ਰ ॥
ਸਚਵੇਣ ਪਾਰਾਯ ॥ ਪੁਰੰਠਰਤਿ ॥ ਸੀ [illegible] ਰਾਯ [illegible]
ਕਿ ਬਣ੍ਹ ਸ [illegible] ॥ [illegible] ਚਿਣਰਾਯਾਯ ॥ ਪੀ [illegible]
ਰਤ ਮੁਲ੍ਹ ਸਸਾ ਤੁਸਾਂ ॥ ॥ ॥ ॥
੦੭ ॥ ॥ ॥

मा... ति विद्म... ति ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ति ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ति ॥ [illegible] ॥

[illegible] ति ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ति ॥ [illegible]

[illegible] ति ॥ [illegible] ॥ वि [illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

उि
नकि
०३

मैंघतिष्ठितः॥ मीघतिष्ठितउवाम॥ किं८घर्तुंनर्घ
धमे॥ हुमलेकैकमभवाग्ना॥ ब्रेध्रिकमवघउत्तेन॥ नक
मउवकैमव॥ घीमगवाडुउवाम॥ मग्ग८म
दवदै॥ णम्रघ्रदलुवाम्रन॥ मदंउकवविहृमि॥
नकित्तुगंभवद्रउ॥ उिकगघ्नमभेमु॥ ग्गृङ्गः
भमक्लपिल॥ घलूद्मुनमभेमु॥ भवमभाउन
मा॥

ति यमपहूं यम ॥ नमकहूं यमवीपूं यम ॥ नमैंकहूं यम
वैमत्रं यम ॥ नमत्रुलूं यम भम्भूं यम ॥ नमत्रुपूं यम व
हूं यम ॥ नमैंवहूं यमयहूं यम ॥ नमैंभैपूं यम विद्रूं
मम यम ॥ नमैरीपूं यम त्रुपूं यम ॥ नमैव [illegible] यम वभूं यम ॥
नमैवभुहूं यम वभुपूं यम ॥ नमभैहूं यम मरूं यम ॥ न
४० भभुभूं यम मरूं यम ॥ नमः मक्षवमपमनुपत्रयम ॥

वशिष्ठीय ॥ नमः रुद्राय नमः रुद्रभैरवाय नमः ॥ नमो भैरवरूपाय नम
कोरूपाय नमः ॥ नमः उग्ररूपाय नमः गण्डरूपाय नमः ॥ नमः क्लिष्टरूपाय नमः ॥ व
भद्ररूपाय नमः । नमः रुद्ररूपाय नमः । शिवरूपाय नमः । नमः विरूपाय नमः । क
नमः ॥ नमः रुद्ररूपाय नमः दक्षरूपाय नमः ॥ नमो भैरवरूपकाय नमः । नमो भैरव
नमः ॥ नमो भैरवाय [illegible] रुद्रभैरवाय नमः ॥ नमः श्रीरुद्रभैरवाय नमः । श्रीपति
नीय । नमः भूतरूपाय नमः भूतविनाशाय ॥ ॥ ॥ ॥ नमः रुद्र

गृह॥ ॥ भमक्ष [illegible] लि॥ येम्रुपविञ्जिट

तेषं भदश्यैल्वेवष्णवनितञ्जमि॥० येभिस्मदश्रू

वैतुटकेकध [illegible] ॥ तेषं॥९॥ येनीलग्रीवाशितिक

श्रि ण्ठा॥ दिवं रुद्रउपश्रिताः॥ तेषं॥१०॥ येनीलग्रीवाशि

रुम तिकण्ठा॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ येवृक्षेषुश्वि

५३ ञ्जराः॥ नीलग्रीवाविलो [illegible] ॥ तेषं॥१२॥ [illegible] भूतपविवि

हु॥ मुरग्रमिसप्रैकाय॥ मु [illegible] ठे॥ मा ज्बुमसि

वडम॥ मितैवज्ञुमनाठव॥ परमेवकम्रपुठविक

य॥ लडिंवभाव॥ उग्रगपिताकं॥ पि[illegible]ब्रा॥ विकि

गीरविलिदिउः॥ नभेष्ठमुठगाव॥ यामेमदभं दे

उयेहृम्रि॥ वि[illegible]नुउः॥ भट्वेम[illegible] लि॥ दिउ

गम्रव[illegible]॥ [illegible]भमी[illegible]ठगाव॥ पैतामीतम्रूपं

ण्भूश्मलितरागिभूञ्जलं ॥ कलभक्रमभूलै ॥ ऽंऽंऽं
वक्लभकं ॥ ऽणत्रमकिभूणि ॥ कमणरंमभेयं ॥ णंणं
णंणयज्ञंणत्रमत्रिभयं ॥ भिक्षिविणिंऽणत्रभ ॥
क्लींक्लींक्लीं कमवखंगलत्रिमऽ९लै ॥ [illegible]
त्रिभिभलभ ॥ ह्रींह्रींह्रीं कुरउपं भकलभाव
९लै ॥ ह्रैमभूहूरऽ ऐं ॥ श्रींश्रींश्रींश्रीं मृयत्रं निढ

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

डुरेठिलं ॥ हृवैद्रेहेयमेणः ॥ मकुमहेहिन्द्रिनेडमु ॥
मिरेमिगल्कलकः भुमत्रेमत्रुमहेडु ॥ भुकुत्रेप
उमऌमियः ॥ मिवकेरमिकयंम ॥ भवभाय
पम्ररकः ॥ यल्पवेउबहुव ॥ भुमवंमभम
रकर्मा ॥ यमकीर्तिमलक्रीम ॥ वभरपचनीय
उः ॥ हृमयंडुपरंवद्र ॥ भुकुपेल्गमीपत्तिः ॥ उम

श्रि
गक
८

मिथुति ॥ ३३३३ऋभमप्रः ॥ ॥ ऽतिर्मीभूकु
भुग्लि ॥ सथीसुरभंवडि ॥ विध्रुमकवंमभमु
हंभमपुम् ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
दिलम्रिमदैकवमूर ॥ कमल भवम ॥ मदूव
भैलिमलैडु९गीदूडग ॥ ठीभिभुग्डुनाइ
ठठमगीकिरिभु ॥ भिट्ठिभ्रुँ ठवडवाङ्घिडमिट्ठि

त्रि
गमु
१

दिवः । त्रिविंत्रिकारकृंपंमदमिमित्रिमपपं । वंद्रुक्तां
उरीयमं । मैगुकाजीउलीलंकलयत्रिमस्मः । त्रि
यविकृ.रव्रत्रिः । यैगेद्भंमड्रवेद्भंमदल्गुल्म
यं । मीदरेद्भंममह्नमं । गेगेंगंमीगल्मंगल्मु
णमविमं । ह्रपकंमित्रयामि । वंवंवंविध्युरल्
दल्उविल्कुले । मकिल्हमुमणं । कैंकैंकैं

श्रि
गक
५

ल्लभ्रूलगतंरपि ॥ इदिमं विघ्ननायक ॥ ध
मंकवमंनिहं ॥ पविइं पपपरामनमा ॥ सुपङ्क्ले
मदकृगे ॥ भमकयनिवाग ल्भा ॥ क्रहिगि
मभ्रं ॥ लुउ विभ्रोएरामरमां ॥ गलगद
रिगिगाल्ं ॥ ममरं भवकमिकमो ॥ पपरुं
दुगयेउभू ॥ काभ्रूमवमिदुयः ॥ यद्रयमा

रंतुष्ठिलं पातुः ॥ भ्रुवं पातु विरथकः ॥ नडी पातु म
हावीर ॥ भालकं भवारककः ॥ उद्धारकं कराः पातु ॥
पाद्मवैरविरिंचिराविप्रियः ॥ णवं णातूं पंकेश्वैव ॥ गण्डं
हूर्दं विगतराम ॥ पातु विसृष्टकैर्देवै ॥ वराष्टिक
ऊर्वष्ठलः ॥ गकद्दैं भुवयद्भूरं ॥ वलिंकवष्टेर
ङः ॥ सदहूं पचवतूरगोध ॥ ऊप्रभावं लिंतद्धियमो ॥

लैकमक्षमिमंदः ॥ रुद्रविमत्र्ययभाम ॥ भवमेत
त्रमंमयः ॥ भेइंवैमास्कियम्र ॥ उम्रगहूमकाद
ममाप्रेतिमयटैन ॥ कैयावविघत्रु ॥ यमहे
दि नपियाकाम्रि ॥ द्र ओत्रमडमतिकमा ॥ यघुमंव
देकी यडडमं ॥ मवमंभुमभदित्रः ॥ मडत्रिस्त्रिग
३० ह्रत्रि ॥ [illegible] गहुवेधादिमिह्रित्रि ॥ उ मंऋेपवंकील

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

प्रं ॥ मैत्र्येविद्विरभिषी ॥ कपैलैकलिकाहे ॥ क
रुभेलंमुरुक्मी ॥ ३० ॥ नमिकयंभृगहुग ॥ उऔ
धुंग्रमत्रिकः ॥ मणांगमभउकला ॥ लिंफ्रंरवौद्ग
भगी ॥ ३१ ॥ रुत्रारुकउकेभगी ॥ कतुमंठ्ठमलि
क ॥ पद्विकंमिउपजुम ॥ भदभायमित्र्ल
कं ॥ ३३ ॥ कभकुमिवकंरकै ॥ द्वुंमंभैभवभम्लल ॥

मुलाम्बिली ॥ [illegible] ॥ [illegible] कोभिवीरके ॥ कुलिंढग
वजीउथा ॥ [illegible] गीउथा भेक ॥ भ्रक्रमेमे पवादरा ॥ ३३
१ [illegible] दरलारके ॥ हुत्रजीउविनायके ॥ गुलड
यंनारभिंदे ॥ पाढ पुंबुउतै १ भी ॥ ३७ पाढहु
लीक्षीरके ॥ ढढढ मुलवाभिरी ॥ कालिसी
नणाइके ॥ मु तिठहेउकैभिरी ॥ क ॥ गैमक्रुपेभके

यमैवद्धिमवेषंभंकीट्ठिद्धिमलयवे ॥ पा ॥ उम्ब
[illegible] मक्ती ॥ [illegible] गवभअंमवे ॥ लपद्रअम
भीमद्धी ॥ लट्ट कवगमभद्विउः ॥ पउ ॥ विविप्रादि
दविद्भिक्षि ॥ म भी ॥ ९ ॥ पभभक्षवः ॥ गटकंप
हटमाउ ॥ मवभक्ललठयिवी ॥ ७ ॥ यावक्षभड
लणउ ॥ भमैलववकवनभा ॥ हवविभ्रविमिट्ठिवं ॥

ति
डिक.
४१

रूपकं कुरु मम तुष्टिः ॥ ९ ॥ इन्द्रत्वं परमं भक्तं । यत्तुरै
रपि दुर्लभा । तद्ध्वंसं समवाप्नोति । सर्पिङ्का याः र
भासतः ॥ १० ॥ यभ्रिद्रं कवसंभूत्रा । मक्षम धूविमे
वरः । अतिलितिविन्द्रुप्रद । कुलुसीगङभाविभ्रु
ग ॥ १२ ॥ उसं डुडि ह्कवसं । यापठेद्भूयतः भलः
भवपापविनिर्मुक्तो । सद्ध्लोकं समगमच्छति ॥ १३ ॥

तिली ॥ धाल्ह पत्ति मभा वेस ॥ तूस वंहु व भेवस ॥ मम
वंगंक्रांम्र मनकरे ॥ दिवस तूंस व ग्नयभा ॥ वइ
ध्मेरकृगावं ॥ धल्ल कलं भ्रमेक व भा ॥ मध ॥ वमं
कृपंतवगाहुं ॥ मध भ्र मों ग्रमव क्रः ॥ भट्टं गल्भ्र
मैरके ॥ वागयल्लि सुठद्रि कः ॥ म१ ॥ यमाकीत्रिं
लक्रीम ॥ भस्सा गक्रडवैस्रुवी ॥ ॐ स्नुलीगकुडांगेहं ॥

[illegible]

[illegible]

ति [illegible]

[illegible]

टीक. [illegible]

१५ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

द्वि
टीकः
३१

ष्टैपदैमहः ॥ अदृष्टकुलस्थलः ॥ कुङ्किवीम
किवीतथा ॥ ५८ ॥ सत्रुटरूसत्रस्यैग ॥ यैगिरूसभ
दग[illegible]लः ॥ गूदकृतपिमास्याम्भ ॥ यकगरूच
रकमः ॥ ५९ ॥ सङ्घरकमवैतलः ॥ कूष्णलैग
वदयः ॥ सत्रतधरमृति ॥ कवमहम्भिं भृ
तै ॥ ६० ॥ भवैवत्रिहवैस्तं ॥ तलैढ्रिपगतै ॥

ठेवकतुमञ्जिक ॥ ७ ॥ लकल्किकतु ऐपव्नं समप
वि सतु एरना ॥ मञ्जपूइङ्गमत्रीम ॥ मसरकतुम
उर: ॥ म ॥ मच्छिमंमकुपरायवतुपदरल विठि ॥
टि.क. मेदरेवमृदपि ॥ मचेथमजलनं विलमदि
मवमा ॥ मरूमेलैवयालम ॥ थेविंउत्रीकुय
०३ पमकुग्रामयत्रिमकलं ॥ मृश्मेकुपूपमं ॥

मरभ्‌ यक्र यद्गु तिदितद्दलम ॥ नद्दकली
मकली ॥ १ ॥ ति ममृम्नीमि वेकवमभृ ॥ भद्रट
षिः ॥ ह्नजमि वङ ॥ मतभ्रभ्‌ छः ॥ मुद्रनमकल
कभरभिह्निंङ ॥ ल्पेपफठविवियेगः ॥ ॥ ॥ लि
तिम्नीमतरीकउवम ॥ तियम्रुहपरमंलिके ॥
मवगकाकरंत भ्‌ ॥ यमकम्रु मिद्दगङ्ग ॥

मेव ॥ मद्धिकेमुगमद्भुग ॥ मीरद्धिकेमुग ॥ ॥ ति ॥
मछ वद्रभ्रवकभि ॥ गुहमुहुतगंपगमा ॥ मवलि
कडिउम्रय ॥ कथिउंमद्भेलिग ॥ म्रुउपुउपि
ति मगमद्धि ॥ यहुगकमगमगमा ॥ कुयापमद्भग
क उमद्धि ॥ उपभुग विवागलमा ॥ वउपिउमद
३ गिग ॥ मद्रमेव विवायेउ ॥ उद्वंमाद्धिमवेघ ॥

ई॥ ...वि। येभं वहुमिश्रव। भेईरम॥ रमीइम॥
रक॰रम॥ भरीमीइमे॥ रीमीइमेव॥ भुईवभि
ति मभु॥ उवभेड्यञः॥ उपरिपि॥ यमवेड्डि॥ उमेयं
सम एमेवरमि॥ उविभेषभुवन्॥ ई यमत्तवंत॥ येभं
वउभवु॥ भेईरम॥ रमीइम॥ रवि...रम॥
५८ भरीमीइमे॥ रीमीइमेवा॥ उईवभेषभु॥ उवम

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

त्रिनेत्रमन्त्रवे ॥ ॥ ॥ त्रिमरगमरगत्रुमंत्रोमि ॥ गुरुं
मवेपकरकमा ॥ यमूमंकीत्रुताडेव ॥ दूश्य रिधुं
मण्यत्रे ॥ ० ॥ वडमत्रिधुगाग्रडे ॥ विद्दुनीत्रिव
रन: ॥ गुरु लीविंधवा गीमि ॥ वेढवेत्रुविढंवरः ॥ ३ ॥
मेमूत्रिधाणएधिु ॥ पीत्रवाम: पित्रामडः ॥ प्रग
वेढमीत्रमूमः ॥ डेमाङ्कः जङ्कमङ्कवि: ॥ ३ ॥ मव

ति
रुमि
५१

ह्रूं भवरुद्रभवे ॥ भवपूर्हैगद्रैह्रा: ॥ भट्टणभाक्रूमाली
ह्रीं ॥ गन्दपीह्रविवाक: ॥ ५ ॥ पञ्चविंमतिकाभावि ॥
गृह्रं भद्रञ्जयापठेत् ॥ सुपुण्यौगृहं भं पवे ॥ एवण
ह्र भभवित: ॥ ५ ॥ श्रीविष्णुद्रमन्तभागं ॥ भवहाणिवि
वलित: ॥ कुद्म ७ भवभ: वच्छ: ॥ यद्भं पभमप
लित्रभ ॥ १ ॥ उच्छत्रद ० वच्छिव ॥ च्छहूत्रेभिग्रवेङ्क